ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के लिए समर्पित...

वर्ष - 27 | सितम्बर -2025 | अंक - 09 | माउण्ट आबू | Rs.-16

पानीपत के चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में विराट संत सम्मेलन

राष्ट्र उत्थान में अध्यात्म को शामिल करना बहुत ज़रूरी: महामंडलेश्वर

पानीपत-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में आयोजित 'मन जीते जगत जीत' विषय पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी,माउंट आबू ने कहा कि मन जीत बनने का अर्थ यह नहीं है कि मन को मारना अपितु मन को सुमन बनाकर अमन करना है और यह मन सुमन तब होगा जब इसमें सुन्दर-सुन्दर विचार होंगे। राजयोग के माध्यम से हम अपने मन को जीत सकते हैं। आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर,सहारनपुर ने कहा कि राष्ट्र उत्थान में अध्यात्म की बहुत ज़रूरत है और ये ब्रह्माकुमारीज संस्थान एक मिशन के रूप में अध्यात्म अर्थात् आत्मा-परमात्मा का सच्चा ज्ञान जन-जन तक पहुंचा रही है। राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ ने कहा कि आज साइंस ने साधन दिए लेकिन उसका उपयोग शांति के लिए करना होगा। परमात्म ज्ञान बल से हम उस दिशा में सही अर्थों में साधनों का उपयोग कर पाएंगे। महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने कहा कि जैसा आहार वैसा व्यवहार, जैसा पानी वैसी वाणी। आहार की शुद्धि हमारे व्यवहार से जुड़ी है। स्वयं भगवान आबू की भूमि पर आये इसलिए हमें आबू के बाबू को यथार्थ जानना व समझना चाहिए। गोस्वामी सुशील जी महाराज ने कहा कि केवल मंदिर जाना, गीता, रामायण आदि पढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह तो परिवर्तन का हमारा पहला कदम होता है। ये सब करने के बाद हमें ज्ञान की बातों को जीवन में धारण करना बहुत ज़रूरी है। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा जो सेवाएं और गतिविधियां हो रही हैं वह ईश्वरीय शक्ति का प्रमाण है। कार्यक्रम की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,सर्कल इंचार्ज,पानीपत ने कहा कि यहाँ भाई-बहनें ऐसे हैं जो घर में रहते पवित्र जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कार्यक्रम में सतीश गोयल,अध्यक्ष वृद्ध एंड अनाथ आश्रम,पानीपत, राधे श्याम,सदस्य धार्मिक विभाग चंडीगढ़ आदि की उपस्थिति रही। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. सुनीता ने किया। सभी महामंडलेश्वरों, संतों को पुष्प मालाएं एवं पटका पहनाकर और ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली। भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को रक्षासूत्र बांधते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सविता दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. साधना दीदी, ब्र.कु. निकिता, ब्र.कु. फलक एवं ब्र.कु. लीना,माउंट आबू।

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ब्लेसिंग कार्ड भेंट करते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. अनुसूईया एवं ब्र.कु. फलक।

शाश्वत यौगिक कृषि विषय पर अनुसंधान के लिए डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय के साथ किया एमओयू

दापोली-महा.। डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय भावे ने कहा कि भारत की संस्कृति प्राचीन है। कृषि व्यवसाय नहीं बल्कि जीवन पद्धति है। भारत में कई दशकों से संकर किस्मों और रासायनिक खादों का उपयोग हरित क्रांति के रूप में शुरु किया गया था। 1970 से पहले जो खेती होती थी, वह प्राकृतिक खेती थी। आज ज़रूरत है कृषि में विज्ञान और अध्यात्म दोनों का सुंदर समन्वय स्थापित करने की। जब विज्ञान अपनी सीमा पर पहुँच जाता है तो अध्यात्म शुरू होता है और इसीलिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग और कोंकण कृषि विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होना एक महान अवसर है। डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ,दापोली और ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के बीच यौगिक कृषि विषय पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के अवसर पर कुलपति डॉ. संजय भावे,महाराष्ट्र कृषि एवं शैक्षणिक अनुसंधान परिषद पुणे के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राम खर्चे, ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. सुनंदा, कृषि विद्यापीठ के अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रशांत शहारे, शिक्षा निदेशक डॉ. सतीश नरखड़े, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. मकरंद जोशी, महाविद्यालयों के सह अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं अधिकारी तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सारिका आदि की उपस्थिति रही।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान देश व समाज की हितरक्षक: सैनी

- राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी के 8वें पुण्य स्मृति दिवस पर
- त्याग, तपस्या और अथक ईश्वरीय सेवाओं की प्रतिमूर्ति प्रेम दीदी

देहरादून-उत्तराखंड। धर्म प्रभाग की अंतर्राष्ट्रीय चेयरपर्सन रहीं राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी के आठवें स्मृति दिवस पर सुभाष नगर,देहरादून में 'मर्यादा दिवस' के रूप में मनाया गया। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग की चेयरपर्सन राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी ने कहा कि जीवन के मूल्य केवल मनुष्य योनि में ही प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रेम दीदी को उनके परिजनों द्वारा उनके जीवन को बचाने के लिए परमात्मा शिव को सौंप दिया था, उन्हीं की बदौलत वे अपना 75 वर्ष तक का जीवन पूर्ण कर पाईं। नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए भगवान को धरा पर आना पड़ता है। हमें वर्तमान में जीना सीखना चाहिए। जिसके लिए भगवान को अपने साथ रखना होगा। अगर हम मूल्य आधारित आध्यात्मिक जीवन जियेंगे तो प्रेम दीदी जैसा जीवन जिया जा सकता है। उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी ने कहा कि शक्ति स्वरूपा ब्रह्माकुमारीज बहनों की प्रेरणा से जीवन बदल सकता है। उन्होंने मन के संतुलन को जीवन का संतुलन बताया। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्थान को देश और समाज का हितरक्षक बताया। महामंडलेश्वर सतगुरु आदियोगी पुरी जी महाराज ने कहा कि हम सब अपने भाग्य के बदौलत यहाँ आये हैं। उन्होंने परमात्मा को इंसान को खूबसूरत कृति बताते हुए दुःख-सुख के भाव के कारणों को भी अभिव्यक्त किया। जिसे अध्यात्म के रास्ते से ही पुनः प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने प्रेम दीदी के सद्गुणों, त्याग और तपस्या वाले जीवन को भी याद किया। कार्यक्रम में देहरादून सबज़ोनल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, ब्र.कु. मीना,हरिद्वार, ब्र.कु. गीता,रुड़की, ब्र.कु. तारा, ब्र.कु. सोनिया, ब्र.कु. शालू, ब्र.कु. श्रीगोपाल नारसन,प्रसिद्ध एडवोकेट,रुड़की, अमरेश त्यागी, ब्र.कु. आरती दीदी आदि हजारों ब्र.कु. भाई-बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कुशल मंच संचालन ब्र.कु. सुशील ने किया।

प्रेम दीदी के श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी, राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी, महामंडलेश्वर सतगुरु आदियोगी पुरी जी महाराज, ब्र.कु. मंजू दीदी,देहरादून, ब्र.कु. मीना,हरिद्वार एवं ब्र.कु. सुशील।